हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजनिया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, सोमवार 1 जुलाई 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

नांदिया नाला पुर्नजीवन के लिए निकाली उद्गम मानस यात्रा

मण्डला। नर्मदा में पानी उसमें मिलने वाले नदियों और नालों से आती है। नर्मदा को सदा नीरा बनाने के लिए इसके जलग्रहण क्षेत्र के नदियों और नालों को पुर्नजीवित कर बारहमासी करने के लिए प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में नर्मदा की सह सहायक नांदिया नाला को पुर्नजीवित कर बारहमासी बनाने के लिए ग्रामीणजन और संस्थाओं ने नांदिया नाला पुर्नजीवन अभियान प्रारंभ किया है। नांदिया नाला पुर्नजीवन अभियान के अंतर्गत उद्गम मानस यात्रा आयोजित की गई। यात्रा का आयोजन मप्र जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति, मडईजर और परम्परागत जडी-बूटी एवं वैकल्पिक चिकित्सा विकास परिषद एवं अनुसंधान केन्द्र ने किया। उद्गम मानस यात्रा ग्राम कातलबोडी से प्रारम्भ हुई। यात्रा का समापन नांदिया नाला के उद्गम स्थल जामुनझिर में किया गया। यात्रा में शामिल पद यात्रियों ने नांदिया नाला के उद्गम स्थल की साफ-सफाई की। यात्रियों ने नांदिया नाला को पुर्नजीवित करने का संकल्प दोहराया। गजेन्द्र गुप्ता, सुकरत पन्द्रो, संतोष धुर्वे, अशोक भांवरें, मास्टर सोमेश गुप्ता, कातलबोडी से जामुनझिर तक की पूरी यात्रा में शामिल रहे। ग्राम कातलबोडी के प्रेम लाल यादव, ग्राम खोहरी के सुरेन्द्र उइके और ग्राम सुभरिया के गोविन्द यादव अपने सहयोगियों के साथ यात्रा में शामिल हुए। नांदिया नाला नर्मदा की सहसहायक नदी है। नांदिया नाला को नदी के रुप में पुर्नजीवित करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। बताया गया कि विगत दिनों जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नांदिया नाला के पुनर्जीवन के लिए चिन्हित स्थानों पर गहरीकरण का कार्य किया गया है।

काताजर में पैसा एक्ट की सभा

अंजनिया। ग्राम पंचायत काताजर जनपद पंचायत बिछिया के ग्राम सभा चौकी टोला में नवीन ग्राम सभा गठन के अंतर्गत ग्राम सभा बैठक आयोजित की गई। जिसमें ग्राम के मतदाता एवं ग्राम सभा अध्यक्ष संतुलाल कुशराम को सर्वसम्मति अध्यक्ष बनाया गया। जनपद पंचायत बिछिया, जिला मंडला, ग्राम पंचायत काताजार के ग्राम चौकी टोला में पेसा एक्ट के अंतर्गत नवीन ग्राम सभा गठित सदस्य गंगाराम कुशराम, अंतरम कुशराम, कमलेश वाडीवा, बीना कुशराम, विराजो उइके, चमन कुशराम, कृष्ण कुमार कुशराम एवं पेसा(एक्ट)ब्लॉक समन्वयक सोनू लाल मरावी, ग्राम पेसा मोबलाईजर बिंदुश्री आर्मो व ग्राम के अन्य मतदाता उपस्थित रहे।

25 जून तक 2 लाख 37 हजार पर्यटकों ने किया कान्हा पार्क का भ्रमण

पर्यटकों के लिये 3 माह बंद रहेगा कान्हा

*** बारिश में कान्हा नेशनल पार्क के बफर में होगा पर्यटन।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मंडला 30 जून नभाप्र. ख्यातिलब्ध कान्हा नेशनल पार्क में तीन माह के लिए पर्यटन बंद हो जाएगा, रैनी सीजन के चलते पर्यटक पार्क भ्रमण नही कर सकेगे। कान्हा पार्क 1 जुलाई से 30 सितंबर तक पर्यटन के लिए बंद होगा। 01 अक्टूबर से फिर पर्यटन शुरू हो सकेगा। 3 माह तक पर्यटको को वनराज के दीदार नही हो सकेगे। इस वर्ष कान्हा की डीजे नाम से प्रसिद्ध बाघिन के खूब जलबे रहे। डीजे बाघिन और उसके शावकों ने कान्हा भ्रमण करने पहुंचे पर्यटकों को खूब लुभाया। जिसके कारण पर्यटक अब दोबारा भी कान्हा पार्क की सफारी के लिए आने का मन बना चुके है। आज सोमवार से कान्हा पार्क तीन माह के लिए बंद हो जाएगा। उसके पहले ही कान्हा पार्क में सफारी के लिए पर्यटकों का सैलाब उमड़ पड़ा। रैनी सीजन शुरू हो चुका है, जिसके कारण पार्क तीन माह बंद रहेगा। पर्यटक आज अंतिम दिन पार्क भ्रमण पर बड़ी संख्या में पहुंचेंगे। पार्क बंद होने से पहले डीजे बाघिन, नीलम बाघिन और उसके शावकों ने सफारी में आने वाले पर्यटकों को मंत्रमुग्ध किये।

जानकारी के अनुसार कान्हा नेशनल पार्क में बाघ के दीदार के लिए देशी-विदेशी पर्यटक बड़ी संख्या में आते है। यहां रैनी के तीन माह पर्यटन नहीं होगा। बारिश के कारण पार्क में मार्ग खराब हो जाते है। जिससे आवागमन संभव नहीं हो पाता है। जंगल में प्रवेश करना खतरे से खाली नहीं होता। वन्य प्राणी व जीव जंतु का भी खतरा बना रहता है। वन्यप्राणियो के प्रजननकाल का भी समय यही रहता है। जिससे बारिश के सीजन में पर्यटन प्रतिबंधित किया गया है। इसके चलते 30 जून के बाद से पर्यटन बंद कर दिया जाता है।

तीन माह रहेगा पार्क बंद

1 जुलाई से 30 सितम्बर तक के लिए कान्हा में पर्यटन नहीं होगा। पर्यटको को वनराज के दीदार नही हो पायेगे। कान्हा नेशनल पार्क बंद होने से गाईड, जिप्सी व यहां के रिसोर्ट व ढाबों का कारोबार प्रभावित हो गया है। स्थानीय लोगों का भी रोजगार प्रभावित होगा। तीन महिने तक पार्क बंद होने के कारण करीब 150 होटल, रिसोर्ट व ढाबा के कर्मचारियो के साथ करीब 250 जिप्सी के चालक और गाइड को रोजगार नही मिलेगा। पर्यटको से गुलजार रहने वाले इलाके में तीन माह सन्नाटा रहेगा।

1 अक्टूबर से फिर पर्यटन

बारिश के बाद 1 अक्टूबर से कान्हा मे पर्यटन शुरू कर दिया जाता है। जिस जोन में सड़क तैयार हो जाती है और पयर्टन में आसानी होगी, वहां पर्यटन कराया जाता है। इसके बाद 15 अक्टूबर से बारिश के आसार नहीं रहते है। जिससे 16 अक्टूबर से कोर एरिया के सभी जोन में भी पर्यटन शुरू कर दिया जाता है।

बफर जोन में कर सकेंगे पर्यटन

बताया गया कि कान्हा प्रबंधन द्वारा बफर जोन में पर्यटन जारी रहेगा। रैनी सीजन में भी पर्यटक बफर जोन में कान्हा के जंगल का आनंद लेगे। बता दे कि कान्हा प्रबंधन द्वारा पर्यटकों के लिए रैनी सीजन में ट्रैकिंग कराने की व्यवसाी की गई है। बफर जोन रैनी सीजन में चालू रहता है। इसके पहले बफर जोन में करीब पांच साल पहले तक रैनी सीजन में पर्यटन नहीं होते थे, लेकिन अब यहां रैनी सीजन में पर्यटन होते है। जहां पर्यटक वन्य प्राणियों के दीदार करते है। इसके साथ ही यहां के हॉटल, ढाबा, दुकानों, रेस्टारेंट समेत अन्य लोगों के आजीविका का जरिया कान्हा पार्क बफर जोन चालू रहने से रैनी सीजन में भी इनकी जरूरते पूरी करता है।

02 लाख 37 हजार र्यटकों ने किया पर्यटन

बताया गया कि बाघों की धरती के लिए प्रसिद्ध कान्हा नेशनल पार्क विश्व विख्यात है। यहां आने वाले देशी, विदेशी पर्यटक बाघों के दीदार के लिए ही आते है। यहां बाघों के दीदार से पर्यटक कान्हा पार्क दोबारा आने की चाह भी रखते है। विगत वर्ष जहां कान्हा नेशनल पार्क में करीब देशी, विदेशी पर्यटक मिलाकर 2 लाख 25 हजार 783 पर्यटकों ने पर्यटन किया है। वहीं इस वर्ष पर्यटकों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। इस वर्ष कान्हा टाइगर रिजर्व में 2 लाख 37 हजार पर्यटकों ने कान्हा की सफारी का लुफ्त उठाया है। जिसमें 16998 विदेशी पर्यटक और 1 लाख 86 हजार 702 देशी पर्यटकों ने कान्हा पार्क का भ्रमण किया। विगत वर्ष और इस वर्ष भी विदेशी पर्यटकों की संख्या कम रही। बताया गया कि विगत वर्षो से कान्हा में देशी पर्यटकों की संख्या में बढ़ोत्तरी हो रही है। कान्हा नेशनल पार्क में पर्यटन के लिए आए पर्यटकों की संख्या 25 जून तक के आंकड़े दर्शाये गए है।

बेलगाम कंटेनर ने साईकिल सवार युवक को रौंदा, मौत

*** एनएच 30 मार्ग में ग्राम अहमदपुर के नजदीक हुआ हादसा।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जबलपुर से रायपुर को जोडऩे वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 30 में आए दिन होने वाले हादसे से लोग असमय काल के गाल में समा रहे है। चौकी अंजनिया क्षेत्र अंतर्गत रविवार सुबह करीब 9 बजे एनएच 30 मार्ग में अहमदपुर नहर के पास एक कंटेनर ने साइकिल सवार को तेज गति से भागते हुए रौंद दिया। इस हादसे में युवक ने मौके में ही दम तोड़ दिया। बताया गया कि ट्रक कंटेनर क्रमांक एचआर 38 एएफ 0791 रायपुर की ओर से जबलपुर की तरफ जा रहा था और साइकिल सवार युवक अंजनिया की ओर से माँद की ओर जा रहा था। युवक हाईवे क्रॉस कर रहा था, इसी दौरान मार्ग क्रॉस करते समय कंटेनर से युवक को अपनी चपेट में ले लिया।

100 मीटर तक घिसटा युवक

बताया गया कि कंटेनर ने साइकिल सवार युवक को अपनी चपेट में लेकर करीब 100 मीटर तक घसीट दिया। जिससे युवक गंभीर घायल हो गया। पूरे शरीर में कई जगह खून का ज्यादा रिसाव हो गया। जिसके कारण युवक मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद घटना स्थल पर लोगों का हुजूम लग गया। घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी गई। जानकारी लगते ही अंजनिया पुलिस मौके पर पहुंची। जहां पुलिस ने ट्रक कंटेनर को अपने कब्जे में लेकर मर्ग कायम कर विवेचना कर रही है।

अंजनिया से अपने ग्राम लौट रहा था युवक

बताया गया कि हादसे में मृत हुए युवक की पहचान छिंदीटोला मांद निवासी कन्हैया कुशराम 30 वर्ष के रूप में की गई है। युवक चौकी क्षेत्र का ही है। घटना के बाद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। परिजनों ने बताया कि युवक किसी काम से अंजनिया गया था, जहां से वह अपने घर वापस लौट रहा था। इसी दौरान युवक हादसे का शिकार हो गया। युवक का पीएम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

लापरवाही के साथ पानी का हो रहा दुरुपयोग

*** सिमरिया, देवरीकला, खिन्हा में बनाई जाए नहर।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जल संसाधन विभाग निवास द्वारा विगत वर्ष 2008-2009 में खिन्हा बांध का निर्माण कराया गया था, लेकिन सिमरिया तक एवं आसपास गांवो में नहर का निर्माण नहीं कराया गया है। जिससे पानी भरा रहता है लेकिन जल संसाधन विभाग के कुछ अधिकारीयों की मिलीभगत से एक व्यक्ति मछली पालन कर रहा है और मछली निकालने के लिए पानी की निकासी की जाती है। जिससे पानी का दुरूपयोग किया जाता है। गर्मी के समय पानी निकलने के बाद बांध के अंदर मवेशी कीचड़ के दलदल में फंस जाते है। मवेशियों की मौत भी हो रही है। पानी की निकासी होने के बाद बांध में बहुत कम पानी बच जाता है। उस बांध से शासन की कोई भी आय नहीं हो रही है। किसानो का भला नहीं हो रहा है। जिससे किसान शासन प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि सिमरिया, देवरीकला, खिन्हा में सिंचाई के संसाधन खिन्हा बांध से उपलब्ध कराए जाएं।

किसानों का कहना है कि कृषि कार्य में किसानो की रूची बढ़े तरक्की करें और अनाज की पैदावार ज्यादा बढ़ सके। ग्राम के देवलाल पंद्राम, जीवन सिंह परस्ते, धरमसिंह कुलस्ते, रमेश वरकड़े, नन्हूराम वरकड़े सभी ग्रामवासियों ने मांग रखी है कि खिन्हा बांध से हर वर्ष पानी की फिजूल खर्ची की जाती है उसे रोका जाए और किसानो के लिए सिंचाई के साधन उपलब्ध कराए जाएं।

एक पेड़ माँ के अभियान के तहत सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने किया वृक्षारोपण

*** सांसद श्री कुलस्ते ने ग्रामीणों के साथ सुनी प्रधानमंत्री श्री मोदी की मन की बात।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आव्हान पर एक पेड़ माँ के नाम के अभियान के तहत वृक्षारोपण जिले के विभिन्न क्षेत्रों में किया जा रहे हैं। मण्डला लोकसभा क्षेत्र के सांसद पूर्व केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ग्राम मानादेई में भारतीय जनता पार्टी ग्रामीण मंडल द्वारा एक पेड़ मां के नाम के आयोजित कार्यक्रम के तहत वृक्षारोपण किए। तत्पश्चात देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोक व्यापी कार्यक्रम मन की बात के 111 संस्करण को स्थानीय जनप्रतिनिधियों भाजपा कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों के साथ बैठ कर उन्होंने सुना। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष भीष्म द्विवेदी, पूर्व विधायक डॉक्टर शिवराज शाह, संदीप सिंह, शैलेश मिश्रा अखिल सिहारे सूर्यकांत जंघेला, प्रफुल्ल मिश्रा, उमेश शुक्ला, दशरथ सैयाम, प्रवीर तिवारी सहित स्थानीय नागरिक गण भाजपा पदाधिकारी मौजूद थे।

जीर्णोद्धार | **पंचमुखी हनुमान कॉलोनी में हुआ टीन शेड निर्माण।**

युवाओं के सहयोग से मंदिर का हुआ जीर्णोद्धार

*** अनेको जगह बनवाये गये मंदिर धर्मशाला।**

हरिभूमि

न्यूज ▶▶ मण्डला/निवास

निवास नगर के वार्ड क्रमांक 4 पंचमुखी हनुमान मंदिर शिव परिवार और न्याय देवता शनिदेव के मंदिर में विगत दिनों टीन शेड निर्माण कराया गया विदित हो कि मंदिर की स्थापना वर्ष 2023 में हुई थी और जब से मंदिर परिसर खुला हुआ था जिसको देखते हुए नगर के प्रतिष्ठित नागरिक राहुल सोनी रोहित अग्रवाल सतेंद्र धर द्विवेदी ने विचार बनाया और पुराण कर 15 हजार रुपये मिलाकर मंदिर परिषर में टीन शेड लगवाकर मंदिर को चार चांद लगा दिए अब आसानी से मंदिर में रामायण, भजन कीर्तन, रामधुन भंडारा आसानी से हो सकते है विदित हो कि राहुल सोनी के पूज्य पिता स्वगीय विष्णु प्रसाद सोनी के द्वारा अनेको जगह मंदिर धर्मशाला बनवाई गई है उन्ही के नक्से कदम पर आज उनके दोनों पुत्र राहुल सोनी रोहित सोनी चल रहे है पंच मुखी हनुमान मंदिर में टीन शेड लगने के बाद यहां आने वाले सभी लोगो ने राहुल सोनी रोहित अग्रवाल की सराहना की और बोला कि यहां विराजमान त्रिदेव की कृपा इन पर सदैव बनी रहे वही इस सेड के निर्माण से समस्त आमाडोगरी निवास देवरी के लोगो ने हृदय से आभार व्यक्त किया और तीनों को इसी तरह धर्म के मार्ग में आगे बढ़ते रहने की कामना की। मंदिर परिसर में लगे तीन सेड को देखते हुए समिति के सदस्यो ने भी आभार व्यक्त किया। इन्होंने समय-समय मे आकर काम देखा और जहां कमी पाई गई उसमे सुधार कराया टीन शेड का निर्माण पूरी मजबूती के साथ हुआ है अब मंदिर परिसर गंदा भी नही होगा और न ही पूजा करने वालो को कोई दिक्कते होगी। वही मंदिर के पुजारी संदीप दुबे ने बताया कि शेड ने होने के कारण बारिश में पानी हवा के कारण पूजा नही कर पाते थे मगर इस शेड के बाद से आसानी से पूजा हो रही है। इस तरह से नगर के मंदिरों में अगर ध्यान दिया जाए तो अनेको मंदिरों का अधूरा निर्माण पूरा हो सकेगा।

अब आसानी हो सकेंगे कार्यक्रम

राहुल सोनी रोहित अग्रवाल सतेंद्र धर के द्वारा इस शेड निर्माण के बाद सभी ओर सराहना हो रही है वही रामायण भजन कीतर्न वालो का कहना है कि अब आसानी से सावन मास में अखण्ड रामायण आसानी से हो सकेगी। वही राहुल सोनी का कहना है कि जल्द ही मंदिर में एक रामधुन का कीर्तन कराया जाएगा जिसको लेकर रूप रेखा तैयार की जा रही है।

शनि मंदिर का भी कराया निर्माण

विदित हो कि राहुल सोनी के द्वारा आजाद चौक पुरानी बस्ती में राहुल सोनी के द्वारा शनि देव के मंदिर और प्रतिमा की स्थापना कराई गई है जिसकी सभी नगर के लोग पूजा करके पूण्य लाभ अर्जित कर रहे है राहुल सोनी और उनके माता पिता शुरू से धर्म के काम मे हाथ बढ़ाते रहे है।

सेवानिवृत्त शिक्षक को दी गई भावभीनी विदाई

*** जन शिक्षा केंद्र गजराज, घुघरी में विदाई समारोह संपन्न।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/घुघरी

घुघरी शिक्षा विभाग में प्राथमिक विद्यालय गजराज में पदस्थ शिक्षक हेमंत तिवारी 40 वर्षों की सेवा के बाद आज सेवा निवर्त हुए जिसमे पर कल जन शिक्षा केंद्र गजराज मेंविदाई कार्यक्रम रखा गया। विदाई समारोह जिसमें शिक्षक हेमंत तिवारी के 40 साल सेवा देने के उपरांत कल विदाई समारोह रखा गया सेवानिवृत्त हुए शिक्षक को भावभीनी विदाई दी गई सेवानिवृत्त शिक्षक हेमंत तिवारी 40 साल सेवा देने के बाद सेवा निवृत्त हुए इस अवसर पर विदाई समारोह में जन शिक्षा केंद्र गजराज के समस्त शिक्षक उपस्थित रहे सबसे पहले माला पहनकर एवं पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया जन शिक्षा केंद्र प्रभारी प्रदीप ठाकुर के द्वारा बोलते हुए कहा गया कि चाहे बेटी की विदाई हो या अन्य किसी भी संस्था में कार्य करने वाले अधिकारी कर्मचारियों की विदाई में दुख तो होता है परंतु आज से आप शासन की सेवा पूर्ण करने के बाद अपने परिवारजनों के साथ सुख के पल व्यतीत करेंगे अतः एक तरफ हमारे साथियों के हमारे साथ से अलग होने का दर्द तो है परंतु अपने निर्विघ्न सेवा पूर्ण करने के बाद अपने परिवारों के साथ आनंद सेजीवन व्यतीत करने का सुखद अनुभव ही महसूस करेंगे इस अवसर पर रवि देहबरा प्रतीक हरदहा जन शिक्षक बोध राम मसराम अंतराम तारम संदीप पटेल एवं सभी शिक्षक शिक्षिका उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

मानसून के मेहरबान होने से खिले किसानो के चेहरे

गाडरवारा। कई दिनो से मानसून आने की वाट जोह रहे क्षेत्रवासियो को बीते हुये शनिवार की शाम को लगभग 45 मिनिट हुई गाडरवारा सहित क्षेत्र में झमाझम बारिश ने यह राहत भरा अहसास कराया कि लगातार तरसाने के बाद मानसून ने दस्तक दे दी है। इस बारिश से किसानों के चेहरों पर मुस्कान तो देखने मिल ही रही है तो दूसरी ओर लोगों को गर्मी से राहत मिलने की भी उम्मीद जागी है। क्योंकि रविवार को सुबह, शाम बादलो के मेहरबान होने से रिमझिम बरसात हुई जिससे माहौल में ठंडक घुलने के साथ शहरवासियो को उमस, गर्मी से निजात मिलते हुये देखा गया। इस तरह शुरूआती मानसूनी वर्षा के दौरान कई वार्डो, कालोनियो, सार्वजानिक स्थानो पर जल भराव के नजारे दिखायी पड़े तथा बच्चो,युवाओं ने बरसते पानी में घूमने का आनंद लिया। इस तरह शुरू हुये बारिश के सिलसिले से हालॉकि जनजीवन अस्तव्यस्त होने से इसलिये नही चूक पाया क्योंकि जिन लोगों के यहा रविवार को शादी के कार्यक्रम थें वह प्रभावित होने से नही चूक पाये। मगर किन्तु खरीफ फसलो की बोवनी करने वाले क्षेत्रीय किसानो के चेहरे जरूर खिल उठे तथा उन्होंने अपने कृषि कार्यो को गति देने शुरूआत कर दी गई है।

कौड़िया शमशान घाट बना आसामजिक तत्वों का अड्डा

कौड़िया। जहां शासन द्वारा क्षेत्र में शांति व्यवसथा कायम रखने के लिए सभी पुलिस अधिकारियों को सख्त आदेश जारी करते हुए लगातार गस्त करने के आदेश दिये गये है। मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि पुलिस की गस्त व्यवसथा दुरूस्त न होने का परिणाम है कि ग्राम कौड़िया का शमशान घाट शाम होते ही आसामजिक तत्वों का अड्डा बन जाता है? जिसके चलते इस क्षेत्र में जहां देर रात तक शराबियों का बोलबाला रहता है? वही यहां पर अनेक रंगीन मिजाज के लोगों के एकत्र होने के कारण अनेक प्रकार के अश्लील दृश्य भी देखने मिल रहे है? जिसमें बताया जाता है कि मनचलों द्वारा कुछ बाहरी बालाओं को यहां पर आमंत्रण देते हुए पूर्णरूप से इस क्षेत्र को अपनी अश्लीलता का क्षेत्र बनाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है? ज्ञात हो कि इस जगह से ही गाडरवारा करेली मार्ग लगा होने के कारण इस मार्ग से देर रात तक लोगों का निकलना लगा रहता है। वही दूसरी ओर महिलाओं का भी आना जाना बना रहने के कारण जब इस प्रकार के कृत्य चलते है तो यहां से निकालने वाले लोगों को जहां परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है? वही दूसरी ओर सड़क मार्ग से निकलने वाली महिलाओं के साथ भी यहां पर मौजूद रहने वाले आसामजिक तत्वों द्वारा छीटाकशी करने से नही चूकते है जिसके चलते महिलाओं को इस क्षेत्र से गुजरना दुभर होता जा रहा है? लोगो द्वारा पुलिस प्रशासन से गुहार लगाते हुए मांग की गई है कि शाम के समय शमशान घाट क्षेत्र में बिगड़ रही स्थिति को ध्यान में रखते हुए यहां पर अपनी गस्त व्यवस्था चौकस की जावे, जिससे ग्राम व क्षेत्र की शांति व्यवसथा भंग होने से बच सके।

यात्री प्रतिक्षालय न होने से यात्री हो रहे परेशान

कौड़िया। एक ओर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि व पंचायतों द्वारा अनेक निर्माण कार्य कराने का ढ़िडोरा पीटा जा रहा है मगर वही दूसरी ओर लोग आज भी अनेक प्रकार की समस्याओं से जूझते हुए देखे जा रहे है, वही दूसरी ओर अनेक ग्रामों में देखा जाता है कि पंचायतों व जनप्रतिनियों द्वारा लाखों रूपया खर्च कर ऐसे निर्माण कार्य करा दिया जाते है जिनका कोई उपयोग ही नही होता है और जहां जिसकी मांग व जरूरत होती है वहां वह निर्माण कार्य नही हो पाने से जनता को परेशानी का सामना करना पड़ता है, कुछ इसी प्रकार की स्थिति जनपद पंचायत चावरपाठा के अंतर्गत ग्राम कौड़िया में देखने को मिल रही है, जहां क्षेत्रवासियों ने हरिभूमि को जानकारी देते हुये बताया है कि ग्राम कौड़िया बाजार मुहल्ला में के प्रमुख चौराहे पर प्रतीक्षालय न होने के कारण यात्रियों को यहां वहां चाय पान की दुकानों पर भटकना पड़ता है।

आज से नया शिक्षा सत्र शुरू होने के चलते सड़कों पर नजर आयेंगे मासूम

न्यू शिक्षा सत्र की शुरूआत से शालाओं में बिखरेगी रौनक व चहल पहल

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

प्रतिवर्ष देखा जाता है कि सही मायने में नये शिक्षा सत्र की शुरूआत 1 जुलाई से होती है। यह बात अलग है कि शासन द्वारा कुछ फेर बदल करते हुये इसकी शुरूआत भले ही अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पहले से कर दी गई है। मगर इसके बाद भी लोगों के दिलों में एक जुलाई घर करके बैठा हुआ है जिसके चलते आज भगवान भोले नाथ के प्रिय माने जाने वाले दिन सोमवार से होने जा रही है। वही आज का दिन शहर के उन बच्चो, किशोरो के नाम समर्पित होने जा रहा है जो भविष्य में शिक्षित होकर प्रदेश, देश, समाज के विकास में सहभागी बनने के साथ अपनी प्रतिभा में निखार लाते हुए शहर को गौरवान्वित करेंगे। क्योंकि नया शिक्षा सत्र शुरू होने के पहले दिन के पूर्व शुक्रवार को लोगों के घरो का वातावरण भी बदला हुआ दिखायी पड़ रहा था। क्योंकि जहां इस समय बारिश का दौर शुरू होने से मौसम खुशनुमा देखने मिल रहा है तो दूसरी ओर ग्रीष्म अवकाश के दौरान आनंद मनाकर अपनी शाला में पढ़ने जाने वाला कोई मासूम बच्चा अपने पापा से शाला की ड्रेस, रंगीन छाता, किताबे, कापियां, टिफिन बाक्स, कम्पास दिलाने की हठ करते हुये देखे जा रहे है। क्योंकि कोई मासूम बच्चा अपनी मॉ से फरमाईश कर रहा था कि स्कूल जाने के पहले उसके टिफिन बाक्स में रोज बदलकर खाने की नई चीजें रखी जाएॅ। इस प्रकार से आलम यह था घरो में बच्चों के बेहतर भविष्य के खातिर भीषण महॅगाई से जंग लड़ रहे अभिभावक बच्चो की हर फर माईश पूरी करने की व्यवस्थाओं में जुटे हुए थे और नगर के माहौल को देख अहसास हो रहा था कि मॉ सरस्वती की वीणा के सारे तार झनकार मारने के लिये आतुर हो उठे है। उल्लेखनीय है कि आज 1 जुलाई से शहर की शासकीय, निजी शालाओं में नए शैक्षणिक सत्र का आगाज होने जा रहा है। इस वर्ष दुर्भाग्य से बादलो के मिजाज के चलते जिस प्रकार से मौसम के खुशनुमा होने से ठंडक के बीच ठंडक के बीच गर्मी का मजा लेने से नही चूकेगे। वही दूसरी ओर जिस प्रकार से बच्चों से भीषण गर्मी के दौरान बीता हुआ शिक्षण सत्र को समाप्त किया गया था उस गर्मी को भुलाकर नये शिक्षण सत्र की शुरूआत कर सकते है? इस तरह खुश मिजाज मौके के चलते इस बात की पूरी उम्मीद है कि आज शनिवार को शहर की सड़कों पर आकर्षक परिधानो में सजे हॅसतें, मुस्कराते हुए बच्चे, साईकिलों पर सवार स्कूल जाने बेताब किशोर बड़ी संख्या में नजर आएॅगे तथा गर्मियो की छुट्टियों में वीरान शहर की शालाओं की रौनक की वापिसी होगी। विदित हो कि नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत होने के चलते पुस्तक विक्रेताओं की दुकानो पर अभिभावको की भीड़ बढ़नें लगी है और नयी शालेय सामग्री बच्चों को अपनी ओर आकर्षित करने लगी है। वही पुस्तक विक्रेताओं का कहना है कि इस वर्ष किताबे, कापियों तथा बच्चो के उपयोगी अन्य सामान की कीमतो में खास ईजाफा नही हुआ है तथा उनकी ओर से यह कोशिश की जा रही है कि बच्चो को एक ही बार में कोर्स की सारी किताबे उपलब्ध करायी जाएॅ। वही देखा जा रहा है कि आज से शालाओं में नया शिक्षा सत्र प्रारंभ होने के बावजूद शिक्षा व्यवस्था सम्बंधी अनेक कमियॉ रह गयी है? वही नगर की चमकती, दमकती अशासकीय शालाओं में फीस वृद्धि, डोनेशन वसूली का खेल जारी है। वही दूसरी ओर स्कूल चले हम अभियान की आशा जनक सफलता न होने की वजह से गरीब परिवारो के बहुत से बच्चे शिक्षा हासिल करने से वंचित रहते हुए जान पड़ रहे है? यह बात अलग है कि सरकार द्वारा शुरू किये गये स्कूल चले हम अभियान को स्थानीय अधिकारियों की हड धर्मिता व उदासीनता के चलते अमली जामा सही रूप से नही पहनाया जा सका है? शिक्षा विभाग द्वारा स्कूलों में बच्चों की संख्या बढ़ाने के उद्वेश्य से अनेक प्रकार के अभियान चलाते हुए बच्चों को शिक्षा की ओर रूख करने के लिए प्रयास किये गये है। मगर जब अनेक बच्चों को स्कूली पुस्तकों की जगह जहां तहां कबाड़ बीनते हुए देखा जाता है तो शासन द्वारा चलाई जाने वाली सभी योजनाओं पर प्रश्न चिन्ह लग जाता है? क्योंकि आज भी अनेक बच्चें इस प्रकार से मिल सकते है जिन्हें शायद पता ही नही होगा कि आज से नया शिक्षा सत्र शुरू होने जा रहा है तो फिर आखिर में किस प्रकार से सफल हुआ स्कूल चले हम अभियान...? वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो स्कूली बच्चों के हित में यातायात व्यवस्था को सुधारने में पुलिस नाकाम दिखाई दे रही है, इसके अलावा नगर की शासकीय प्राथमिक शालाओ की दुर्दशा पर भी ध्यान नहीं दिया गया है, जिसके चलते अनेक शासकीय शालाएं जहां खंडहर में तब्दील होते हुए नजर आ रही है, जिनमें सांप गुहरे आराम फरमा रहे है तो कुछ शालाओं में रात के समय होने वाली शराब खोरी के चलते शराब की बोतले पड़ी हुई है? इतना ही नही अनेक स्कूल आज भी अतिक्रमण में चपेट में देखे जा रहे है। जबकि गौर करने वाली बात तो यह है कि स्कूल चले हम अभियान के दौरान जब कार्य शालाओं का आयोजन किया गया था तो अधिकारियों द्वारा शासकीय शालाओं के पास से शिक्षा सत्र शुरू होने के पूर्व अतिक्रमण हटाने की बात कही गई थी। मगर वह बात मात्र बैठक तक ही सीमित नजर आई...? वही नये शिक्षा सत्र को लेकर अभिभावको की माने तो नगर की अनेक शासकीय शिक्षण संस्थओं में जरूरी विषय नही होने से बच्चे मायूस होते हुये देखे जा रहे है जिसकमे चलते यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो शासन द्वारा शिक्षा देने की दिशा में कारगर पहल नही की गयी है जिसके चलते जहां नगर के बच्चों को अनेक विषय से बंचित होते हुए देखा जा रहा है? वही दूसरी ओर देखा जावे तो नगर की अनेक शासकीय व निजी शालाओं में लायब्रेरी और मूलभूत सुविधाओं से छात्र, छात्राओं को महरूम होना पड़ रहा है? वही दूसरी ओर आज सोमवार से नए शिक्षा सत्र के आगाज होने पर अभिभावको ने मॉग की है कि शहर की शासकीय शालाओं में पर्याप्त शिक्षक रखे जाएॅ, जो शिक्षक अकर्मण्य और नशा करने के आदी है उन्हे हटाया जाए, शालाओं के आस पास के अतिक्रमण हटाये जाए, स्कूलो के खेलकूद के मैदानो को व्यवास्थित स्वरूप दिया जाए, महापुरूषो की जयंती कार्यक्रम तथा बच्चो को संस्कारित करने वाले विविध आयोजन करने हर स्कूल प्रचार्य को निर्देशित किया जाए तथा प्रदेश सरकार की हर बच्चे को शिक्षित करने की मंशा को पूर्ण किया जाए, अभिभावको ने शासन प्रशासन से शासन प्रशासन ने नगर की शासकीय शालाओं के कायाकल्प कराने की भी गुहार लगायी है, साथ ही साथ पुलिस प्रशासन से अपेक्षा जताई गई है कि जिस प्रकार से नगर में स्कूलों के समय यानि की दोपहर 10 बजे से 12 बजे तक तथा शाम 4 बजे से 6 बजे तक भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा हुआ है उसका सख्ती के साथ पालन किया जावे। क्योंकि इस समय नगर का वायपास मार्ग शुगम नही होने से दिन भर भारी भरकम वाहनों की धूम मची हुई देखी जा रही है वह निश्चित ही मासूमों की जिन्दगी के लिये खतरा पैदा करने में कोई कसर छोड़ते हुये दिखाई नही दे पा रही है?

निर्मल ग्रामो की बर्बादी, कमिशन की आड़ में आंखे बंद किये हुए अधिकारी?

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। देश को विकास और समृद्धि की ओर अग्रसर करने के लिए चलाई जा रही योजनाओं के तहत गांव को साफ सुधरा और हरा भरा बनाने की कवायद में है और इसके लिए शासन प्रशासन निर्मल ग्राम बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है, इसके लिए समय समय पर गांव को चयानित कर वहां पर लाखो करोड़ो रूपये की राशि खर्च की जा रही है जिसमें गांव के प्रत्येक परिवारो के घरो में शौचालय बनाये गये है। वही दूसरी ओर गांव में पक्की नालियां सड़क और कुडादान व जल स्त्रोतो को साफ सुधरा बनाया जाना है और इसकी देख रेख के लिए जिला स्तर पर हर ब्लाक में अलग से कर्मचारी भी नियुक्त किये गये है जिन्हे वेतन के रूप में मोटी रकम और भ्रमण करने के लिए वाहन उपलब्ध कराये गये है। लेकिन ये अधिकारी कर्मचारी आफिसों में बैठे बैठे ही योजना का संचालन कर रहे है और इसका परिणाम यह देखने में आ रहा है कि गांव में बनायी गई सड़के एक चंद वर्षो में ही पूरी तरह उखड़ चुकी है, वही पूर्व के समय में गांवों में बनाये गये शौचालय की स्थिति भी इसी प्रकार से देखने मिल रही है कि वह कचरो एवं कूडादानो में तब्दील हो गये है तो हजारों रूपया की लागत से बनाये गये कचरा घर टूट गये है, जल स्त्रोतो के समीप हरी घासे एवं दलदल निर्मित हो गयी है, इसके बाबजूद शासन द्वारा इन निर्मल ग्रामो को पुरूस्कार द्वारा नवाजा गया है, जिसमें लाखो रूपये की इनाम राशि को भी सरपंच सचिवो ने डकार ली? यदि इन गांवों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक पंचायते तो इस प्रकार की जहां पर लोग आज भी शौच के लिए बाहर जाते हुए नजर आते है और दूसरी ओर सड़कों की गुणवत्ता को दरकिनार करते हुए कमीशन की आड़ में अधिकारियों द्वारा उन्हें पास कर दिया गया है जो चंद दिनों के बाद भी टूटना शुरू हो चुकी है।

रेल्वे स्टेशन पर दुकानों के सामने खड़े रहने वाले आटो बन रहे परेशानी का कारण, कार्यवाही की उठाई जा रही मांग

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

अक्सर देखा जाता है कि जब जिले या फिर स्थानीय स्तर पर कोई पुलिस अधिकारी आता है तो वह नगर में आने के उपरांत यहां की बिगड़ी हुई यातायात व्यवस्था को देखकर उसे सुधारने के लिए अपनी तरफ से पूरा भरोसा दिलाते हुए यह बात कहने से नही चूकता है कि इस नगर की सबसे बड़ी समस्या यातायात है जिसे सुधारने में वह कोई कसर नही छोड़ेगे और चंद दिनों में पटरी से उतरी हुई यातायात व्यवस्था को वह सुधार कर रहेगे? मगर पता नही कि उन्हें इस नगर का पानी पीने के बाद जब उस पानी का असर होता है तो वह चंद दिनों के उपरांत अपने द्वारा ही कहे जाने वाले शब्दों को पूर्ण रूप से भूलकर जिस स्थिति में चल रही शहर की बदहाल यातायात व्यवस्था को सुधराना ही भूल जाते है? मगर इस बात कुछ दिन बीत जाने के बाद भी सुधार होते हुए कही दिखाई नही देता है। क्योंकि नगर की यातायात व्यवस्था की सच्चााई आज भी जहां की तहां बनी हुई दिखाई दे रही है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो नगर के प्रमुख स्थल स्टेशन के समीप गौर किया जावे तो यहां पर यदि

आटों चालकों की मनमानी इस प्रकार से हावी है कि जिसके चलते स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि स्टेशन पहुंचने वाले मार्ग पर आटों चालकों का जिस प्रकार से मुख्य सड़क पर कब्जा रहता है कि आम वाहन चालकों की बात तो दूर पैदल तक लोगों का निकलना भी मुश्किल हो जाता है। बताया जाता है कि अनेक आटों चालक स्टेशन से मुख्य नगर की ओर आने वाले मार्ग पर लगी हुई दुकानों के सामने अपने आटों इस प्रकार से काफी समय तक खड़े करे रहते है जिसके चलते संपूर्ण सड़क पर जाम की स्थिति बन जाती है, इस स्थिति में ट्रेन पकड़ने के लिए दो पाहिया वाहनों या फिर पैदल जाने वाले रेल यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होते हुए देखा जाता है और स्थिति खराब उस समय और अधिक हो जाती है जब किसी ट्रेन के आने या फिर जाने का समय होता है जिसके चलते जब आम यात्रियों को ट्रेन पकड़ने के लिए किसी महिलाओं व अन्य परिजनों को दो पाहिया या चार पाहिया वाहन से लेकर जा रहे होते है उस समय मुख्य सड़क पर घंटों तक खड़े रहने वाले इन आटों के चलते ट्रेन पकड़ने के लिए जाने वाले आम लोगों के वाहनों का यहां से निकलना मुश्किल हो जाता है। इस प्रकार से आटों चालकों की मनमानी को लेकर न तो पुलिस प्रशासन के अधिकारी ध्यान दे रहे है और न ही अन्य अधिकारी जिसके चलते आम लोगों को प्रतिदिन परेशान होते हुए देखा जा रहा है। जबकि गौर करने वाले बात तो यह है कि सुबह व शाम के वक्त बीना ट्रेन से अनेक पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को इस मार्ग से निकलना होता है, इसके बाद भी इस प्रकार से आटों चालकों द्वारा की जा रही मनमानी उनके नजर में न आना पुलिस की उदासीन कार्य प्रणाली को उजागर करते हुए दिखाई दे रहा है? कुछ इसी प्रकार का हाल नगर के भारतीय स्टैट बैक के सामने का देखने मिल रहा है जहां पर मुख्य मार्ग पर ही लोगों द्वारा अपने वाहन खड़े करते हुये बैक के अंदर चले जाते है जिसके कारण यह मार्ग पूर्ण रूप से बंद की स्थिति में पहुंचने से नही चूक पा रहा है। मगर इसके बाद भी इस ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने के कारण लग रहा है कि शायद इस इस नगर का भगवान ही मालिक है...?

मादक पदार्थों की धड़ल्ले से हो रहे विक्रय से बिगड़ रहा सामाजिक माहौल, नशा मुक्ति अभियान हो रहे फेल

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

समय साक्षी है कि जिस शहर में कभी ढूढे शराब और अन्य मादक पदार्थ नही मिलते थें। वही वर्तमान में धड़ल्लें से शराब बिक रही है और कई ठिकानों पर रहस्मय तरीके से गॉजा सहित अन्य मादक पदार्थ भी बेचे जा रहे है तो दूसरी ओर स्मेक सहित अन्य प्रकार के मादक पदार्थो के सेवन करने वाले नौजवानों की तादाद बढ़ती चली जा रही है। शराब की जनप्रियता का आलम यह है कि मदिरा पीना अब फैशन में तब्दील होने से सुरा प्रेमियों के क्रिया कलापो पर कम ही ध्यान दिया जा रहा है पर दुर्भाग्य से अब यह सच्चाई उजागर होने से रूक नही पा रही है कि मादक पदार्थो के निर्वाध विक्रय से सामाजिक माहौल तो बिगड़ ही रहा है। वही इसके साथ ही नशा युवाओं, किशोरों का स्वास्थ्य भी चौपट कर घरों को तबाह कर रहा है। क्योंकि शराब के गांव गांव विक्रय होने से अनेक परिवार बर्बादी की कगार पर पहुंचने से नही बच पा रहे है। युवाओं में नशे के कारण समाज की मर्यादाएॅ तार तार हो रही है और क्षेत्र में अशोभनीय घटनाएॅ घटित हो रही है। गौरतलब है कि नशे के दुष्परिणामों का असर सिर्फ शहर में ही नहीं बल्कि क्षेत्र के गांवो में सरेआम जाम छलका कर अपना समय व्यर्थ गॅवाने लगे है। हालत यह हो गयी है कि शहर, गांवो की रौनक को विनष्ट करने वाले नशे की रोकथाम में नेताओं, प्रशासनिक अधिकारियो सहित समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि नाकाम साबित हो रहे है और पूर्व में चलाये गए नशामुक्ति अभियानों को भी पलीता लगा दिखायी पड़ रहा है। बरते हुये 26 जून को अंतराष्ट्रीय नशा निवारण दिवस था, जिसमें स्वाभाविक है कि प्रशासन की ओर से समाज को नशे के दुष्पारिणामो से अवगत कराने के उद्देश्य से कई कार्यक्रम आयोजित किये जाने की संभावना से इंकार नही किये जाने की संभावना व्यक्त की गई थी। मगर दुर्भाग्य का विषय है कि इस तरह से इस तरह का कोई कार्यक्रम आयोजित नही हुये। शहर के जागरूक नागरिकों का कहना है कि फिलहाल नशे से अटकी युवा पीढ़ी को राह पर लाना बहुत बड़ी चुनौती है? क्योंकि इस समय जिस प्रकार से देखा जा रहा है कि अपनी ऊपर तक पहुंच रखने वाले लोगों के हाथों में नशे का कारोबार होने के चलते वह गांव गांव शराब का विक्रय कराने से नही चूक रहे है और इसी का परिणाम है कि युवाओं में नशे की लत का इजाफा हो रहा है उसमें देखा जाता है कि अच्छे बढ़े लिखे युवा बगैर नशे के रह नही पा रहे है? इस बात की पड़ताल प्रशासन और नशा मुक्त समाज बनाने के पक्षधरो नेताओं को कराना आवश्यक हो गया है कि आखिर के कौन से कारण, परिस्थितियॉ है, जिनके चलते अधिकतर युवा और किशोर निरंतर शराब को कंठ से उतारते जा रहे है? साथ ही इस बात पर भी चिंतन किया जाना चाहिए पूर्व में नशा मुक्त समाज बनाने की लाख कोशिशो के बाद भी अभी तक युवाओं, सुरा प्रेमियो से शराब सहित अन्य मादक पदार्थो का मोह छूट क्यों नही पा रहा है। गरीब, मजदूर पेशा अखिरकार क्यों सस्ती मदिरा पीकर अपनी खून पसीने की कमाई क्यो लुटा रहे है? जो लोग सही मायने में समाज को नशा मुक्त बनाने की चाह रखते है उनका मत है कि नशा मुक्त समाज बनाने के लिए हमे धार्मिक, सांस्कृतिक, रचनात्मक कार्यक्रमों का ग्राफ बढ़ाना होगा? सीनियर शराब पीने के शौकीनो को सबसे पहले शराब का परित्याग कर युवाओं, किशोरो को यह समझाईश देनी होगी कि शराब व मादक पदार्थो का सेवन अच्छी सोच पर प्रहार कर मनुष्य को विपथगामी बना उसके सर्वनाश का कारण बन जाती है और नशा करने के आदी युवा अपने मॉ, बाप, भाई बहिन, पड़ौसियों के लिए कितने तकलीफदेह बन जाते है। वही दूसरी ओर लोगों की मांग है कि नशामुक्ति संबंधी कार्यक्रम कागजों की जगह सही तरीके से होना चाहिये।

प्रतिबंध अवधि के बावजूद भी खुलेआम जारी है मत्स्य आखेट, नगर में कलेक्टर आदेश साबित हो रहा बेअसर

गाडरवारा। प्रतिवर्ष देखा जाता है कि 15 जून से 16 अगस्त तक के लिए नदी नालो सहित अन्य नदियों में मछली के शिकार पर जिला दंड अधिकारी द्वारा प्रतिबंध लगा दिया जाता है। कुछ इसी प्रकार से इस वर्ष भी जिला कलेक्टर द्वारा आदेश जारी करते हुये संपूर्ण जिले में मछली मारने से लेकर विक्रय पर प्रतिबंध आदेश तो जारी कर दिया गया है। मगर उस आदेश को पालन होते हुये कही दिखाई नही देने से यह प्रतीत होने से नही चूक पा रहा है कि शायद स्थानीय स्तर पर बैठे अधिकारियों की नजरों में जिला दंड अधिकारी का आदेश कोई महत्व नही रखता है या फिर जिला स्तर से जारी हुआ यह आदेश मात्र कागजों की खानापूर्ति करते हुये अखबरों की खबरों तक सीमित होकर रहे गया है? क्योंकि जब जिला दंड अधिकारी द्वारा कोई आदेश जारी किया जाता है तो उसका पालन करने की जिम्मेदार अनुविभागीय अधिकारी से लेकर तहसीदार, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सहित पुलिस विभाग की होती है। कुछ इसी प्रकार से मत्स्यआखेट यानि की मछली मारने व विक्रय करने के आदेश को जारी हुई पूरे दस दिन का समय बीते जाने के बाद भी कार्यवाही होते हुये दिखाई नही देने से जहां नगर सहित क्षेत्र की नदियों में खुलेआम मछली मारने के साथ विक्रय होते हुये देखा जा रहा है। जबकि जिला कलेक्टर द्वारा जारी किये गये आदेश के अनुसार मध्यप्रदेश राज्य में म.प्र नदीय मत्स्योद्योग नियम 1972 की धारा 3 की उप धारा (2) के अंतर्गत 16 जून से 15 अगस्त तक की अवधि को बंद ऋतु घोषित किया गया है। इस बंद ऋतु अवधि में मत्स्याखेट पूर्णतरू प्रतिबंधित रहेगा तथा इस अवधि में अवैधानिक मत्स्याखेट, मत्स्य परिवहन एवं मत्स्य क्रय. विक्रय करना पूर्णरूप से निषेध रहेगा। प्रदेश शासन के मछली पालन विभाग के अनुसार छोटे तालाब या अन्य स्त्रोत जिनका कोई संबंध किसी नदी से नहीं है और जिन्हें निर्दिष्ट जल की परिभाषा के अंतर्गत नहीं लाया गया है तो उक्त प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे। उपरोक्त नियमों के उल्लंघन पर मध्यप्रदेश मत्स्योद्योग अधिनियम 1981 की धारा 5 के तहत उल्लंघन कर्ता को एक वर्ष तक का कारावास या पांच हजार रूपये तक का जुर्माना या दोनों से दंडित किये जाने का प्रावधान है। इस प्रकार से जिला कलेक्टर ने उपरोक्तानुसार अधिसूचना जारी करते हुए इस अधिसूचना के माध्यम से सर्व संबंधितों एवं मछली व्यवसाय से संबंधित सभी व्यक्तियों को सूचित किया है कि वे इस अवधि में किसी प्रकार का अवैधानिक मत्स्याखेट, मत्स्य परिवहन एवं मत्स्य क्रय. विक्रय न करें और ना ही इस कार्य में अन्य को सहयोग दें, अन्यथा उल्लंघनकर्ता के विरूद्ध शासन के नियमानुसार कार्रवाई की जावेगी। बाजार हाटों में उक्त अवधि में मत्स्य विक्रय पूर्ण प्रतिबंधित रखने के निर्देश संबंधित नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को दिये गये हैं। संबंधित अधिकारियों को इस बारे में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। 16 जून से मछलियों का प्रजनन काल प्रारंभ होने के कारण प्रतिबंध होता है जिसके चलते मछली मारने व विक्रय करने पर प्रतिबंध लगा हुआ है। मगर इसके बाद भी कार्यवाही नही होने के कारण नगर में जहां तहां खुलेआम मछली विक्रय होते हुये देखा जा रहा है।

खबर संक्षेप

दो सडक दुर्घटना में तीन घायल

डिण्डौरी। कोतवाली थाना अन्तर्गत नगर में शनिवार शाम दो अलग अलग सडक दुर्घटना में तीन लोग घायल हो गये। जिन्हे ईलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल चैकी से मिली जानकारी के अनुसार अंकित पिता राजेन्द्र कुमार बर्मन उम्र 30 साल निवासी नर्मदा गंज शाम लगभग 4.30 बजे मोटर सायकल क्रमांक एम पी 52 एम सी 0547 से अपने घर नर्मदा गंज से पुरानी डिण्डौरी जा रहा था तभी कलेक्ट्रेट तिराहा के पास मोबाईल से बात करने के कारण मोटर सायकल अंयत्रित होकर डिबाईडर में जा टकराई और युवक बाईक समेत गिरकर चोटिल हो गया। जिसके बाद अपने रिष्तेदार को घटना के सबंध में बतलाया जिसने घायल अवस्था में जिला चिकित्सालय लाकर भर्ती कराया है। दूसरी घटना मंडला रोड बायपास डिण्डौरी की है जहां एक बाईक में दो लोग सवार होकर जा रहे थे तभी बाईक अंयत्रित हो गई और दोनो सवार गिरकर घायल हो गये। किषन शर्मा पिता नारायण शर्मा उम्र 23 साल निवासी बुढार जिला शहडोल ने बतलाया कि अपनी मित्र रवि पटवा निवासी बुढार के साथ रिष्तेदारी में चाबी जा रहे थे मोटर सायकल क्रमांक एम पी, एम क्यू 8225 को मै चला रहा था और मित्र पीछे बैठा था इसी दौरान शाम लगभग 6.30 बजे बाईक अंयत्रित हो गई और हम दोनो बाईक समेत गिर गये जिसमें दोनो घायल हो गये जिसके बाद हम दोनो उसी मोटर सायकल से सरकारी अस्पताल में आकर उपचार के लिए भर्ती हुए है।

8 वर्षीय मासूम को जहरीले सांप ने डसा, दो घंटे बाद हो गई मौत

डिण्डौरी। थाना बजाग अन्तर्गत सारंगपुर के आवास टोला में रविवार की अल सुबह परिवार के साथ जमीन में सो रहे मासूम को जहरीले सांप ने काट लिया जिसकी दो घंटे बाद मौत हो गई जानकारी के मुताबिक रविकिशन पिता भानसिंह धुर्वे उम्र 8 साल अपने परिवार के साथ जमीन में सोया था इसी दौरान सुबह लगभग 4 बजे एक जहरीले सांप ने काट लिया था। गर्मी और बारिश होने के कारण पूरा परिवार जमीन पर सोया हुआ था, और लाइट की महिनों से परेशानी होने से घर पर अंधेरा था पूरा परिवार जमींन में सोया था तभी सांप ने डस लिया तब मासूम ने अपने नजदीक सोये परिजनो को बतलाया लेकिन साधन न होने से बच्चे को स्वास्थ्य केन्द्र तक नही लाया जा सका। दो घंटे बाद उसकी मौत हो गई जिसकी सूचना पुलिस को दी गई मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा की कार्यवाई के बाद शव को पीएम के लिए रवाना कर दिया है।

अवैध शराब के साथ गिरफ्तार एक महिला

डिण्डौरी। कोतवाली थाना अन्तर्गत शुक्रवार शाम लगभग 6 बजे मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दबिष देते हुए एक आरोपिया को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया है। जिसके खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34ए के तहत कार्यवाई करते हुए जमानती मुचलका में रिहा कर दिया है। कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम राई में एक महिला अपने घर के सामने सफेद रंग के थैला में अवैध रूप से शराब विक्री की नियत से रखी हुई है। सूचना के बाद कोतवाली में पदस्थ प्रधान आरक्षक सत्यनारायण पटेल हमराह महिला आरक्षक के साथ मुखबिर के बताये ठिकाने में दबिष देते हुए घेरा बंदी कर महिला को पकडा गया जिसके कब्जे से 2 नग हंटर बियर एवं 12 पाव देशी प्लेन मदिरा कीमत 1220 रूपये बरामद किया गया।

आम तोडने से मना करने पर मारपीट

डिण्डौरी। कोतवाली थाना अन्तर्गत धुर्रा में शुक्रवार सुबह लगभग 9.30 बजे आम तोडने से मना करने पर पिता पुत्री के साथ मारपीट करने का आरोप लगाते हुए कोतवाली में शिकायत दर्ज करायी गई है। फरियादी रामानंद वास्पे पिता समेदास वास्पे उम्र 38 साल निवासी धुर्रा ने पुलिस को शिकायत में बतलाया कि मेरे घर के पास खेत में 18 आम के पेड है(शुक्रवार को सुबह धुन्ना चंदेल के रिश्तेदार आम तोड रहे थे तब मेरे बच्चे आम तोडने से मना किये जिसके बाद वे लोग चले गये। लगभग 10 बजे धुन्ना चंदेल अपने घर के सामने रोड में खडा होकर मुझे देखकर गाली गलौच कर रहा था।

जनपद उपाध्यक्ष के विरूद्ध प्राप्त शिकायत की जांच और कार्यवाही हेतु कमिश्नर ने कलेक्टर को किया निर्देशित

डिण्डौरी।

कार्यालय कमिश्नर, जबलपुर संभाग, जबलपुर

जिले के शहपुरा जनपद पचांयत के उपाध्यक्ष जितेन्द्र चंदेल के विरूद्ध ग्रामीण छक्के लाल झारिया द्वारा जबलपुर मे कमिश्नर कार्यालय मे पद का दुरूपयोग करते हुए पचांयत राज अधिनियम 1993 के उपबंधो का उल्लंघन करते हुए जनपद क्षेत्र मे बिल बाउचर लगा आथर्र्िाक लाभ लेते हुए भ्रष्टाचार सहित आर्थिक अनियमितता किये जाने के आरोप लगाते हुए मामले मे जांच कर कार्यवाही करने सहित पद से पृथक किये जाने की मांग से जुडी शिकायत की गई थी। जिसके बाद कमिश्नर जबलपुर द्वारा कलेक्टर डिण्डौरी को पत्र जारी कर मामले मे निर्देशित किया गया है कि म.प्र. पंचायत एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 के तहत जनपद पंचायत उपाध्यक्ष के विरूद्ध कार्यवाही हेतु कलेक्टर सक्षम प्राधिकारी हैं, अतः शिकायत पत्र में उल्लेखित बिन्दुओं पर जांच कराकर आवश्यक कार्यवाही करें, तथा इस कार्यालय को अवगत कराना सुनिश्चित करें। गौरतलब है कि शिकायतकर्ता द्वारा आरोप लगाया गया है कि डिण्डौरी जिले की जनपद पंचायत शहपुरा में पदस्थ जनपद पंचायत उपाध्यक्ष जितेन्द्र चंदेल के द्वारा पंचायत राज अधिनियम 1993 के उपबंधो का उल्लंघन करते हुये जनपद पंचायत क्षेत्र में बिल बाऊचर लगाकर आर्थिक लाभ लेते हुये भ्रष्टाचार गबन एवं आर्थिक अनियमितता किया गया मामले मे शिकायतकर्ता द्वारा जाँच कर कार्यवाही करते हुये पद से पृथक किये जाने की मांग की गई है।

जिला चिकित्सालय परिसर में आयोजित हुआ स्वास्थ्य शिविर

डिण्डौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय परिसर में रविवार को आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम संपूर्णता अभियान अंतर्गत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, आयुष विभाग, सामाजिक न्याय विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित हुआ। स्वास्थ्य शिविर में कलेक्टर विकास मिश्रा और दिल्ली, मुंबई, भोपाल, जबलपुर सहित अन्य बड़े शहरों से पहुंचे विभिन्न विषय विशेषज्ञ डॉक्टर की मौजूदगी में लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनका उचित उपचार किया गया तथा गंभीर बीमारियों से ग्रसित मरीजो को चिन्हित कर बड़े चिकित्सालयो में भेजा जाएगा। शिविर में मानसिक रोग केंसर, दांत, नाक, कान, गला, हृदय रोग, नेत्र रोग, शिशु रोग, अस्थि रोग जनरल सर्जन, सोनालॉजी, न्यूरोलाजी, स्त्री रोग और दवा वितरण के लिए अलग अलग कक्ष बनाए गए। जिसमें दूर दराज से पहुंचे मरीज को स्वास्थ्य लाभ प्रदान किया गया।

रेडियो शाखा में पदस्थ प्रभारी निरीक्षक का निधन

डिण्डौरी। जिला पुलिस विभाग में रेडियो शाखा में पदस्थ प्रभारी निरीक्षक का बीती रात निधन हो गया। रेडियो शाखा में उपनिरीक्षक के पद पर पदस्थ देवा सिंह पंद्रे पिता स्व० श्री झरियार सिंह पंद्रे उम्र 48 साल निवासी ग्राम देई पोस्ट भुआ बिछिया जिला मंडला ने कोतवाली पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि जिले में रेडियो प्रभारी निरीक्षक दयाल सिंह मसराम उम्र लगभग 54 साल रेस्ट हाउस के सामने बने रेडियो कार्यालय डिंडौरी के पीछे बने बैरिक में रहते थे जो पिछले कुछ समय से दमा की बीमारी से पीडित थे। उनका ईलाज जबलपुर तथा अन्य जगह चल रहा था। 28 जून को दोपहर करीब 12 बजे दयाल सिंह मसराम आफिस मे थे, जो मुझे बताये कि तबियत ठीक नही लग रही है। उनसे अस्पताल चलकर ईलाज करवाने के लिये बोला तो उन्होने कहा कि अस्पताल जाने की जरूरत अभी नही समझ आ रही है जरूरत होगी तो बताउंगा और बैरिक मे आराम करने चले गये थे। रात करीब 08.45 बजे दयाल सिंह मसराम का मेरे पास फोन आया तो बताये कि तबियत ठीक नही लग रही है, तब मै उन्हे बोला कि मैं आता हूं अस्पताल चलते है, तो फिर अस्पताल जाने से मना कर दिये थे। 29 जून को सुबह करीब 07 बजे रेडियो कार्यालय मे नाईट डयुटी पर तैनात आरक्षक रेडियो हरीश चीचाम ने फोन कर बताया कि शायद टीआई साहब की मृत्यु हो गयी है। तब मै और उपनिरीक्षक रेडियो निरोप सिंह पदम दोनो रेडियो कार्यालय के पीछे बने बैरिक पहुंचकर देखे तो टीआई साहब खत्म हो गये थे। उन्ही के साथ बैरिक मे रह रहे स्टाफ प्रधान आरक्षक ट्रेड रवि मरावी द्वारा बताया गया कि मैं भी टीआई साहब को रात मे अस्पताल चलने के लिये बोला था, लेकिन टीआई साहब अस्पताल जाने से मना कर दिये थे। निरीक्षक रेडियो दयाल सिंह मसराम का बीमारी के कारण निधन हो गया है। घटना की जानकारी उनके परिजनों सहित वरिष्ठ अधिकारियो को भी दी गई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। पोस्ट मार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल ने किया वृक्षारोपण

डिण्डौरी। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद बजरंग दल जिला ईकाई डिंडोरी के तत्वाधान में विश्व पर्यावरण को लेकर वृहद स्तर पर वृक्षारोपण किया जा रहा है इसी तारतम्य में शाहपुर खंड में जिला अध्यक्ष जीतेंद्र विश्वकर्मा जिला उपाध्यक्ष राज साहू जिला मंत्री मुकेश विश्वकर्मा प्रांत संगठन मंत्री अरविंद बघेल की उपस्थिति में प्राचीन तालाब के किनारे स्थित मुक्तिधाम में बटवृक्ष का पौध रोपण अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के स्थापना दिवस के

अवसर पर किया गया गौरतलब हो कि उक्त वृक्षारोपण कार्यक्रम 24 जून से 30 जून तक जिले में किया जा रहा है परिषद के अध्यक्ष जीतेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि बटवृक्ष जिसे बरगद कहा जाता है प्रायः वह आज विलुप्त हो रहा है इस लिए राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के द्वारा इस वृक्ष के पौधे रोपे जा रहे है वृक्षारोपण कार्यक्रम में चिराग कश्यप ,शुमेश दुबे ,कान्हा दुबे ,वाशु ठाकुर ,पियूष ठाकुर , सौविक सिकदार ,नवीन मरावी , कुणाल ठाकुर ,शिवा चैबे ,पंकज कश्यप , प्रखर मरावी आदि उपस्थित रहे ।

मुरूम खादान के धसकने से चपेट में आई महिला

डिण्डौरी। समनापुर थाना अन्तर्गत डुंगरिया में रविवार सुबह लगभग 7 बजे महिला अपनी दो देवरानी के साथ खादान से मुरूम निकाल रही थी तभी खादान धसक गई जिससे मुरूम के नीचे दब गई तब मौजूद दोनो देवरानी ने मषक्कत कर बाहर निकाला। घटना में महिला को गंभीर चोट आई है जिसके बाद परिजनो को सूचना दी गई तब महिला को 108 एम्बूलेंस वाहन से स्वास्थ्य केन्द्र समनापुर में लाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सको ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहां महिला की हालत गंभीर होने से उसे जबलपुर मेडीकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। अस्पताल चैकी पुलिस को दिये कथन में उषा बाई पति लक्ष्मण सिंह पाराषर उम्र 33 साल निवासी डुंगरिया ने बतलाया कि अपनी देवरानी रामप्यारी एवं अंजू पाराषर के साथ टोकनी में गोबर खाद लेकर खेत में डालने गई थी। खेत से घर लौटते समय रास्ते में मुरूम खादान से मुरूम लाने के लिए टोकनी में भर रहे थे इसी दौरान खादान धसक गई और मुरूम के साथ एक बडा पत्थर उसके ऊपर गिर गया जिससे नीचे दब गई। जिसके बाद दोनो देवरानी ने बाहर निकाला घटना में पैर तथा शरीर के अन्य हिस्सो में गंभीर चोट लगी है।

आकाशीय बिजली गिरने से तीन मवेशी की मौत

डिण्डौरी। जिले में मौसम में परिवर्तन के चलते शुक्रवार की दोपहर जिला मुख्यालय में लगभग एक घंटे तक वर्षा हुई। वर्षा से मौसम में ठंड का गई। जिले के विकासखंड करंजिया अंतर्गत लगभग 20 मिनट तक तेज वर्षा हुई। मानसून के पहली वर्षा से किसान जहां खुश हुए वहीं लोगों को गर्मी से राहत मिली। विकासखंड क्षेत्र के वन ग्राम जामपानी में आकाशीय बिजली गिरने से तीन बैलों की मौत हो गई। ग्राम पंचायत चंदना के वनग्राम जामपानी निवासी पशु मालिक राजेन्द्र बघेल ने बतलाया कि बैल मचान के नीचे बंधे थे। उसी दौरान आकाशीय बिजली गिरने से चपेट में आ गए।

सुरक्षात्मक उपाय अपनाने सीएमएचओ की अपील

अनूपपुर। जन समुदाय को आकाशीय बिजली/वज्रपात आदि आपदाओं से बचाव के संबंध में जानकारी देते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ए.के. अवधिया ने बताया है कि बिजली/वज्रपात पीड़ति को सीधे स्ट्राइक करता है, जिससे स्थिति अत्यंत घातक होती है, जिससे सीधे चोट पहुंचती है। उन्होंने कहा है कि आकाशीय बिजली से पीड़ित व्यक्ति को तत्काल जीवन रक्षक दवाईयों की उपलब्धता हेतु शासकीय चिकित्सालयों अथवा ग्रामीण क्षेत्रों में आशा, एएनएम या सीएचओ से सम्पर्क कर मदद लेनी चाहिए। उन्होंने बताया कि शासकीय अस्पतालों में आकाशीय बिजली, प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों हेतु आपातकालीन सेवा की व्यवस्था बनाई गई है। साथ ही बहु-उद्देशीय कार्यकतार्ओं, आशा कार्यकतार्ओं एवं आशा पर्यवेक्षकों को स्थानीय स्तर पर आपात सेवा स्थापित करने हेतु निर्देश दिए गए हैं। सीएमएचओ ने नागरिकों से आकाशीय बिजली/वज्रपात से संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए खेतों, औद्योगिक स्थान, लोडिंग और अनलोडिंग जैसे निर्माण और सामग्री हैण्डलिंग वाले स्थलों पर काम करने वाले लोग सर्वाधिक संवेदनशील होते हैं।

हाथियों को जिले से बाहर करने के लिए पश्चिम बंगाल से पहुंचा 14 सदस्यीय दल

स्थल का किया निरीक्षण

अनूपपुर।

16 दिनों से छत्तीसगढ़ राज्य के मरवाही से चलकर मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के जैतहरी एवं अनूपपुर तहसील, थाना एवं वन परिक्षेत्र की सीमा में पहुंचे दो नर हाथियों का दल दिन में जंगलों में विश्राम करने बाद देर शाम एवं रात होने पर जंगल के आसपास स्थित ग्रामीण अंचलों में पहुंचकर ग्रामीणों के घर, खेत एवं बाड़ी में लगे एवं रखे विभिन्न तरह के अनाजों, सब्जियों को अपना आहार निरंतर बना रहे हैं जिससे ग्रामीण परेशान हैं। वही एक बार फिर से हाथियों के निरंतर विचरण से जिला प्रशासन एवं वन विभाग भी चिंतित है जिसे गंभीरता से देखते हुए मध्यप्रदेश शासन के वन विभाग एवं प्रशासन के निर्देश पर पश्चिम बंगाल से हाथियों पर काम करने वाले 14 सदस्यी दल को बुलाया गया है, जो रविवार की सुबह जैतहरी पहुंचकर रविवार को वन परिक्षेत्र अनूपपुर एवं जैतहरी के सीमा क्षेत्र में विश्राम एवं विचरण कर रहे हाथियों के स्थल कक्ष क्रमांक 358, 357 एवं 302 में निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लेते हुए आगे की रणनीति तैयार की जा रही है। हाथियों को जिले से बाहर करने के लिए उपयोग में लाए जाने वाली सामग्रियों की तैयारी वन विभाग के अधिकारी करने में लगे हुए हैं दोनों हाथी शनिवार को पूरे दिन गोवरी बीट के कक्ष क्रमांक 302 ठाकुरबाबा के पास विश्राम करने बाद देर शाम जंगल से निकल कर जैतहरी राजेंद्रग्राम मुख्य मार्ग को जयप्रकाश अग्रवाल के क्रेशर के पास से एवं डियो राड के पास मुख्य मार्ग पार करते हुए कक्ष क्रमांक 303 में लगे बांस प्लान्टेशन में देर रात तक बांस की टहनियों को अपना आहार बनाते हुए देर रात गोबरार नाला तिपान नदी पार कर नगर परिषद जैतहरी के वार्ड क्रमांक 15 बगहा कघरा में एक किसान के खेत के पास पहुंचे ग्रामीणों द्वारा भगाए जाने पर दोनों हाथी फिर से तिपान नदी पार कर झाईलाल के हंसियानाला के चौधरी मोहल्ला के पास से विचरण करते हुए ग्राम पंचायत गोबरी के बैगान टोला में दो ग्रामीणों के घरों में तोड़फोड़ कर घर के अंदर रखे अनाज को अपना आहार बनाते हुए एक किसान के खेत में लगे अनाज एवं सब्जियों को खाकर ग्राम पंचायत भवन गोवरी के मुख्य मार्ग पारकर ग्राम पंचायत गौरेला के बंधियाटोला, राजामचान होकर रविवार की सुबह होते ही वन परिक्षेत्र एवं थाना अनूपपुर के केकरपानी गांव के दुराही जंगल पी,एफ, 258, 357 में पहुंचकर कुछ देर विश्राम करने बाद ग्राम पंचायत पगना के बांकाटोला से कुदुरझोरी नाला पार कर गोबरी बीट के कक्ष क्रमांक 302 ठेंगरहा के जंगल में पहुंचकर विश्राम कर रहे हैं हाथियों के इस दल को जिले से बाहर किए जाने के लिए वन विभाग द्वारा पश्चिम बंगाल से आए दल के साथ पूरी तैयारी कर ली है जिनका ऑपरेशन जल्द ही प्रारंभ किया जाएगा।

केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार विकास के लिए प्रतिबद्धः जायसवाल

राज्यमंत्री ने 11 करोड़ 75 लाख का जलसार का भूमि पूजन कर किया शुभारंभ

अनूपपुर।

मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने कहा है कि लोगों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने हमारी केन्द्र एवं राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। डबल इंजन की सरकार ने तय किया है कि देश को 2047 तक विकसित भारत बनाना है। उन्होंने कहा कि कहीं पर बेरोजगारी ना रहे, सड़क, पानी, बिजली, स्वास्थ्य एवं शिक्षा की समस्या ना हो, इसके लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कोयला से लोगों को रोजगार मिला तथा जिले के कोतमा, बिजुरी, सहित अन्य आसपास के क्षेत्रों के लोगों का जीवन स्तर उठा। सरकार की नीति और नियत के कारण उद्योग में प्रगति हुई है। गांव-गांव में शासन की विभिन्न योजनाओ व जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के माध्यम से समृद्धि बढ़ रही है। दिलीप जायसवाल आज मध्य प्रदेश इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के क्षेत्रीय कार्यालय शहडोल द्वारा औद्योगिक क्षेत्र जलसार (बिजुरी) में आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर जनपद पंचायत कोतमा के अध्यक्ष जीवन सिंह, अनुविभागीय दण्डाधिकारी कोतमा अजीत तिर्की, जिला पंचायत सदस्य राम जी रिन्कू मिश्रा, सांसद प्रतिनिधि प्रेमचंद्र यादव, जनपद पंचायत कोतमा के उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता हनुमान गर्ग, ग्राम पंचायत बेनीबहरा के सरपंच राजेन्द्र सिंह पाव, नगर परिषद बनगवां के अध्यक्ष यशवंत सिंह, उपाध्यक्ष धनंजय सिंह, नगर परिषद डोला के उपाध्यक्ष रविशंकर तिवारी तथा नायब तहसीलदार राजेन्द्र पनिका, मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास प्राधिकरण के क्षेत्रीय कार्यालय के कार्यकारी संचालक यू. के. तिवारी, कार्यपालन यंत्री के.के. गर्ग, जनपद पंचायत कोतमा के सीईओ लाल बहादुर वर्मा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारी व स्थानीय नागरिकगण, महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे। दिलीप जायसवाल ने कहा कि हमारी जिम्मेदारी है कि शासन जो सुविधा दे रही है, उसका हम सदुपयोग करें।

आसमान छू रहे सब्जियों के दाम से आम जनता की बढ़ी परेशानी

अनूपपुर/कोतमा। एक बार फिर बढ़ती महंगाई ने आम जनता के घरों का बजट बिगाड़ दिया है जिस तरह से सब्जी के दाम आसमान छू रहे हैं उससे हर कोई परेशान है। बढ़ती महंगाई से सबसे अधिक गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवार परेशान है।बढ़ती महंगाई का आलम यह है कि इन दिनों सभी सब्जियों में महंगाई का तड़का लगा हुआ है। बाजार में जहां टमाटर एवं प्याज रूपए 50 किलो के पार बिक रहा है वहीं आलू भी 20 रूपए से बढ़कर 40 रूपए है। लहसुन,अदरक धनिया के 100 रूपए के ऊपर हैं। हरी सब्जियों में ज्यादातर सब्जियों के दाम भी 50 रूपए किलो के ऊपर ही बिक रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से सब्जियों में लगातार बढ़ती महंगाई से महिलाओं के रसोई का बजट बिगड़ नजर आ रहा है महिलाओं का कहना है कि आज बाजार में 500 रूपए में भी बड़ी मुश्किल से एक झोले सब्जी मिल पा रही है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, सोमवार 1 जुलाई 2024

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

आज शुरू होगी ईसीसीई की कक्षायें

नरसिंहपुर। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के अनुसार समग्र शिक्षा की वार्षिक कार्य योजना सत्र 2024-25 के अंतर्गत ईसीसीई कक्षायें प्रारंभ किये जाने वाले विद्यालयों का परीक्षण व सत्यापन के उपरान्त जिले की 50 विद्यालयों में पूर्व प्राथमिक कक्षायें प्रारंभ करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। चयनित विद्यालयों में नर्सरी, केजी वन 1, केजी 2, केजी 3 कक्षाओं में 3- 5 वर्ष की आयु समूह के सभी बच्चों का नामांकन कर एक जुलाई 2024 से दैनिक कार्यक्रम के अनुसार गतिविधियों का आयोजन कराया जाना सुनिश्चित करने दिशा निर्देश जारी किये गये हैं। जिन विद्यालय परिसर में पूर्व से आँगनवाड़ी संचालित हैं, उन विद्यालयों में पूर्व प्राथमिक कक्षायें संचालित नहीं किया जाना है। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा पूर्व प्राथमिक कक्षाओं के लिए लगभग 4 घंटे की दैनिक गतिविधियों हेतु सुझावात्मक समय सारिणी जारी की जा चुकी है, जिसके अंतर्गत गतिविधियां समय सारणी द्वारा संचालित की जाना है। जिले के नरसिंहपुर विकासखंड में 13, करेली में 2, चांवरपाठा में 10, सांइखेड़ा में 10, गोटेगांव में 8 और चीचली में 7 प्राथमिक विद्यालय में पूर्व प्राथमिक कक्षायें प्रारंभ होंगी।

घर मे घुसा आवारा कुत्ता, भय से छत पर रहा परिवार

नरसिंहपुर । विगत दिवस जिला मुख्यालय के रहवासी इलाके मे एक घर के निचले हिस्से में शनिवार को स्ट्रीट डॉग के घुस गया। उसे भगाने के लिए परिवार ने नगरपालिका से लेकर पशु चिकित्सा विभाग को स्वयं और परिचितों के माध्यम से सूचना कराई। लेकिन कोई भी मदद के लिए नहीं पहुंचा। जिसके बाद कुछ लोगों ने ही जोखिम उठाकर कुत्ते को घर से बाहर निकाला तो परिवार को राहत मिली। वहीं शाम को जब शिकायत सीएमओ तक पहुंची तो मौके पर पहुंची टीम ने स्ट्रीट डॉग को पकड़ा। प्रतापनगर कॉलोनी गली नंबर 11 में रहने वाली सरोज रजक ने बताया कि वह अपने दो बच्चों के साथ दो मंजिला मकान में रहती हैं। शनिवार की सुबह करीब 11 बजे एक स्ट्रीट डॉग घर के निचले हिस्से में घुस गया। जिसे देख परिवार के सदस्य डर गए। कुत्ता कहीं हमला कर घायल न करे इस आशंका से दूसरी मंजिल पर छत पर पहुंच गए और दरवाजे बंद कर दिए। काफी देर तक परिवार ने इंतजार किया लेकिन जब डॉग घर से बाहर नहीं निकला तो बच्चों ने अपने परिचित को सूचित किया। नगरपालिका और पशु चिकित्सा विभाग को सूचना कराई। सरोज रजक ने बताया कि पशु चिकित्साल विभाग से कहा गया कि यह कार्य उनके विभाग का नही है । जबकि नगर पालिका के कर्मचारियों ने कहा कि वह टीम लेकर मौके पर जा रहे है लेकिन शाम तक कोई नही पहुंचा। परिवार ने बताया कि यह स्ट्रीट डॉग पूर्व में कॉलोनी के कुछ लोगों को नुकसान पहुंचा चुका था। इससे कोई भी इसे बाहर निकालने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था। मामले की जानकारी शाम को जब सीएमओ नीलम चैहान को मिली तो तत्काल उन्होंने टीम को मौके पर भिजवाया। उन्होंने टीम को इस तरह के मामलों में आगे से कोई लापरवाही नही बरतने के निर्देश दिए।

नपा सीएमओं ने जमादार को किया निलंबित

नरसिंहपुर । नगरपालिका में पदस्थ कर्मचारियों पर काम में लापरवाही बरतने पर कार्रवाई की गई है। राजस्व निरीक्षक को निलंबित किया गया है। वहीं दो दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों पर कार्रवाई कर एक का 15 दिन का वेतन काटने और एक को एक माह के लिए काम से हटाने के आदेश सीएमओ ने दिए हैं। नगरपालिका की स्थिति सुधारने तथा सफाई व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। सीएमओ नीलम चैहान के निर्देश तथा यंत्री प्रमोद बिंद्रा के मार्गदर्शन में 28 वार्डों के लिए सफाई कर्मियों को काम सौंपे गए हैं। जिसकी सतत मानिटरिंग की जा रही है, निरीक्षण के दौरान कमी मिलने पर यह कार्रवाई की गई है।

शासकीय भूमि पर धड़ल्ले से जारी अवैध खनन

खदाई से हरे-भरे वृक्ष भी हो रहे तहस-नहस

नरसिंहपुर।

जिले मे अवैध खनन का कार्य बंद होने का नाम नही ले रहा है। वही प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा उक्त ओर ध्यान नही दिया जा रहा है। ग्राम पंचायत खैरी महलपुरा, बहोरीपार के बाद बरमान पंचायत मे भी अवैध खनन बदस्तूर जारी है । स्थानीय लोगो द्वारा अवैध खनन को लेकर आवाज भी उठाई जा रही है । लेकिन प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा उनकी आवाज को अनसुना किया जा रहा है। जिससे प्रतीत होता है कि उक्त अवैध खनन प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों की मिली भगत से हो रहा है ।

नियमों को दिखाया जा रहा धता

किसी भी तरह के खनन कार्य को लेकर शासन स्तर पर नियम कायदों को बनाया गया है और उनका अमल करते हुए ही किसी भी तरह का खनन कार्य करने की अनुज्ञा प्रशासन द्वारा जारी की जाती है वावजूद इसके नियम कायदों को ताक पर रखकर जिले में पीली मिट्टी के खनन का कार्य लगातार जारी है। नरसिंहपुर तहसील के अंतर्गत अनेक स्थानों पर निर्धारित नियमों की अनदेखी कर पीली मिट्टी खनन किये जाने की जानकारी बरमान ग्राम पंचायत से सामने आई ।

शासकीय भूमि से अवैध खनन

उसी में एक मामला नरसिंहपुर जिले की करेली तहसील के अंतर्गत बरमान ग्राम पंचायत के अंतर्गत भी सामने आया है। इस ग्राम पंचायत के अंतर्गत कुछ समय पूर्व ही लाखों रुपयों की लागत से निर्मित किये गये स्टेडियम ग्राउंड क्षेत्र से लगकर शासकीय भूमि पर से नियमों को ताक पर रखकर पीली मिट्टी का खनन कर उसका उपयोग एनएचआई के ठेकेदारों द्वारा रोड निर्माण में उपयोग किया जा रहा है। मिली जानकारी अनुसार इस संबंध में ग्राम पंचायत स्तर पर इस कार्य को लेकर आपत्ति भी दर्ज कराई है और खनिज विभाग में सूचना देकर स्टेडियम के पास के क्षेत्र से हो रहे मिट्टी के खनन से मिट्टी कटाव होने से स्टेडियम के निर्माण को जो नुकसान होगा उससे अवगत भी कराया गया है। महत्वपूर्ण बात यह है मिट्टी खनन के इस मामले में राजस्व और खनिज विभाग की जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है।

पर्यावरण की हो रही क्षति

जहां एक ओर मोहन सरकार एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 6 जुलाई को साढ़े पांच करोड़ पौधे लगाए जाने का लक्ष्य रखा है वहीं यहां लगे लगाए वर्षो पुराने हरे भरे वृक्षों को भी तहस नहस किया जा रहा है और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया जा रहा। बेजा खनन को लेकर संबंधित क्षेत्र में अगर खनन किये जाने की अनुज्ञा जारी की गई है तो इससे कहीं ना कहीं शासन और प्रशासन की नीति और नियम पर कारगर तरीके से पालन न करवाये जाने की वजह आखिर क्या हो सकती है यह भी गौर करने वाली बात है । खनिज एवम राजस्व विभाग को यह देखना महत्वपूर्ण है कि जिस स्थान से ठेकेदारों द्वारा पीली मिट्टी का खनन किया जा रहा है वह भूमि खनन के बाद समतलीकरण के नाम पर क्या कुछ उपयोगी होगी या फिर गहरी खुदाई करने से किसी भी तरह के जानमाल का नुकसान अगर होगा तो इसमें किसकी जबाबदेही तय की जावेगी ।

एकल आरोग्य प्रकल्प का संच सम्मेलन कार्यक्रम संपन्न

नरसिंहपुर।

आरोग्य फाउंडेशन ऑफ इंडिया संभाग महाकौशल भाग सतपुड़ा अंचल नरसिंहपुर संच करेली मिढली का संच सम्मेलन कार्यक्रम रविवार को रखा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ समितियो द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया कार्यक्रम में उपस्थित अमितेंद्र नारोलिया एकल अभियान अंचल संरक्षक प्रशांत तिवारी एकल अभियान कोषाध्यक्ष डॉक्टर राजेंद्र सोनी एकल आरोग्य प्रकल्प के अंचल अध्यक्ष श्रीमति मिथिलेश पटेल आरोग्य प्रकल्प संच समिति अध्यक्ष श्रीमति मधुबाला जाट आरोग्य प्रकल्प करेली संच समिति अध्यक्ष प्रतीश भार्गव आरोग्य प्रकल्प संच समिति कोषाध्यक्ष उपस्थित हुए इसके बाद स्वास्थ्य जागरण रैली निकाली एवं सेविकाओं के द्वारा अनुभव कथन बोले फिर सेविकाओं के द्वारा जो बनो औषधि तैयार की गई थी समिति द्वारा उसका निरीक्षण किया गया इसके बाद सेविकाओं ने बीपी शुगर एचपी ऑक्सीजन तापमान वजन की जांच की जांच के पश्चात कुछ औषधि दवा दिए गए इस कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ता संतोष शिववेदि संभाग आरोग्य प्रकल्प प्रमुख अरविंद लोधी प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर राजा राम मेहरा संच कोऑर्डिनेटर मिढ ली अखिलेश पटेल संच कोऑर्डिनेटर करेली ऋतिक परिहार एकल ग्रामोत्थान प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर राकेश लोधी एकल अभियान संच प्रमुख बरमान एवं सभी सेविका तथा ग्राम समिति के सदस्य उपस्थित हुए।

श्रीगणेश देवस्थानम में स्वास्थ्य शिविर में 195 मरीजों को मिला लाभ

नरसिंहपुर।

स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती चेरिटेबल ट्रस्ट से संचालित शंकराचार्य नेत्रालय द्वारा श्री गणेश देवस्थानम सिद्धपीठ में निरूशुल्क नेत्र जांच व परामर्श शिविर में 195 जरूरतमंद लाभान्वित हुए। इस दौरान शुगर, वीपी व हड्डियों की जांच भी हुई। श्री द्वारका पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी की प्रेरणा से सिद्धपीठ के संस्थापक स्व. कृष्ण कुमार जी पुरोहित की पुण्य स्मृति में उक्त जनहितैषी आयोजन हुआ।

जांच में इनका रहा योगदान

नेत्रालय स्टॉफ के दीपक सराठे (केम्प प्रभारी), टेकसिंग पाल (नर्सिंग ऑफिसर), सुनील मुडिया, नेत्र चिकित्सक नरेन्द्र झारिया व मनीष गुप्ता, छोटेलाल ठाकुर (केम्प सहायक), राकेश ठाकुर के साथ अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ पराग पराड़कर के अलावा गौरव रैकवार, एएनएम अनुसुइया मेहरा, बुद्धिप्रकाश विश्वकर्मा व देवाशीष पुरोहित का योगदान रहा। पाल समाज के सचिव सतीश पाली ने नेत्रालय को 9 हजार रुपए की नगद राशि मरीजों की दावों व चश्मा के लिए स्वस्फूर्त प्रदान की। शिविर में मोतियांबिन्द के 52, नाखूना के 7 व अक्सूर के 2 मरीज मिले। जिन्हे नेत्रालय द्वारा 3 जुलाई में बस सेवा से झोंतेश्वर अस्पताल ले जाकर उपचार व आपरेशन किया जाएगा। जहां लेंस, चश्मा, भोजन सहित आवागमन निःशुल्क रहेगा।

अभामत्रि परिषद का शपथ ग्रहण संपन्न

करेली ।

अखिल भारतीय दिगम्बर जैन संगीता जैन (संभाग अध्यक्ष) श्रीमती मिली जैन (संभागीय सचिव) श्रीमती अभिलाषा जैन गाडरवारा शाखा अध्यक्ष के आतिथ्य मे आयोजित हुआ। भगवान महावीर के चित्र के समक्ष पूजन अर्चन उपरांत नवीन चेयरपर्सन श्रीमती मधु जैन, नवनियुक्त अध्यक्ष श्रीमती समता जैन, उपाध्यक्ष श्रीमती आरती जैन, सचिव श्रीमती प्रीति जैन, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती सिंपल जैन, सहसचिव ज्योति जैन सगौरिया, कोषाध्यक्ष श्रीमती स्वाति जैन सहित कार्यकारिणी सदस्यों ने संगठन के विधिवत संचालन की शपथ ली। इस मौके पर संगठन की सभी सदस्यों की उपस्थिति रही। आभार नवनियुक्त सचिव श्रीमती प्रीति जैन ने किया।

अच्छी छवि के साथ रचनात्मक दिशा में करें मिलकर काम

पत्रकारों की बैठक मे लिये गये महत्वपूर्ण निर्णय

तेंदूखेड़ा। रविवार को तहसील प्रेस परिषद की विशेष बैठक ग्राम डोभी के ज्ञानभूमि हायर सेकेंड्री स्कूल परिसर मे आयोजित की गई इस तहसील क्षेत्र के उपस्थित सभी पत्रकारों ने अपने अलग अलग विचार रखते हुये समाज मे एक अच्छी छवि बनाने के साथ रचनात्मक दिशा मे मिलकर काम करने का सामूहिक रूप से निर्णय लिया। सरस्वती पूजन और स्वागत भाषण के साथ प्रारंभ हुई इस बैठेक मे परिषद के अध्यक्ष सूर्यकांत दिवगैया ने बैठक की पृष्ठ भूमि पर काफी विस्तार से बात रखी। वहीं वरिष्ठ सदस्य दिनेश जैन सत्येंद्र अवस्थी ने मानवीय मूल्यों से जुड़ी उन सभी समस्याओं को उठाने के साथ जीवदया संरक्षण की बात रखते हुये पत्रकारिता को प्रदूषित करने वाले सभी पहलुओं को सिरें से नजरअंदाज कर अपने दायित्वों का भलिभांति निर्वाहन करने का विषय रखा। तथा राजमार्ग क्षेत्र के वरिष्ठ देवराज कश्यप धर्मेश शर्मा भगतराम पटेल ने निर्धन वर्ग के मेधावी छात्र छात्राओं को हर संभव सहयोग उचित कैरियर मार्गदर्शन शासकीय सेवाओं को सूचित कर व्याप्त विसंगतियों को दूर करने की बात रखी। तथा ग्राम इमझिरा के राहुल पाठक राजकुमार सिंह रामकिशन अमित खरे के द्वारा समाज के वंचित वर्ग को योजनाओं का लाभ दिलाने की दिशा मे उचित सहयोग कर एक कोष की व्यवस्था करने तथा क्षेत्र विशेष को लेकर विज्ञापनों और खबरों को लेकर होने वाले मनमुटाव को सामांजस्यपूर्ण तरीके से निपटाने तथा सौरभ पांडे आकाश दुबे सोनू सोनी गौरीशंकर लोधी ने प्रतिभाओं के सम्मान पत्रकारों के उचित मार्गदर्शन हेतु कार्यशाला तथा पत्रकारिता की छवि को बदनाम करने वाले समाज के बहिष्कृत लोगों को दंडित करवाने की दिशा मे मिलकर काम करने की बात रखी गई। वहीं सभी बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुये वरिष्ठ पत्रकार बलराम नामदेव द्वारा भी पत्रकारिता की छवि स्वयं के क्रियाकलापों एवं सेवाभावी गतिविधियों से जुड़े रहने ईमानदारी पूर्वक समाज मे घटित गतिविधियों को शासन प्रशासन के बीच केवल सेतु का काम करने सकारात्मक और रचनाम्तक गतिविधियों मे भी संलिप्तता जैसे विभिन्न बिंदुओं पर काफी विस्तार से प्रकाश डाला। बैठक का संचालन एवं आभार अध्यक्ष सूर्यकांत दिवगैया द्वारा व्यक्त किया गया। इस अवसर पर संस्था के प्रबंधक शिवकुमार पटेल का सभी पत्रकारों द्वारा शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। इस संस्था का एक छात्र प्रदेश एक छात्रा जिले कर प्रवीण सूचि मे नाम दर्ज कराने के साथ उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम लाने पर सम्मानित किया गया। बैठक मे आलोक पांडे भगवानदास राय धर्मेंद्र साहू मिथलेश पटेल राजेश पटेल विपिन पटेल कमलेश भारके सहित बड़ी संख्या मे पत्रकार साथी उपस्थित थे।

श्रीकृष्ण नगरी मथुरा मे आयोजित हुआ दो दिवसीय काव्य महोत्सव

करेली । मनोभावों को कलात्मक रूप में अभिव्यक्त करने की साधना का नाम है कविता। जीवन और जगत के समस्त भाव कविता के माध्यम से कम शब्दों में अभिव्यक्त हो जाते है। तदाशय के उद्गार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्रियाशील भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली मथुरा की साहित्यिक, रचनात्मक संस्था सारथी के राष्ट्रीय काव्योत्सव व कवि समागम अवसर पर अतिथियों ने व्यक्त किए। मथुरा के खंडेलवाल सेवा सदन परिसर में दो दिवसीय आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि वरिष्ठ कवि पूर्व सांसद राष्ट्रीय कवि प्रो. ओमपाल सिंह निडर थे। अध्यक्षता हास्य कवि संतोष सागर ने की। समारोह में देश के विभिन्न हिस्सों से आये लगभग 150 कवि कवियत्रियों ने अपना रचनापाठ किया। सारथी संस्था सचिव मफतलाल अग्रवाल ने संस्था द्वारा किये जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। इस मौके पर नगर के युवा रचनाकार अमित जैन संजय को सम्मान पट्टिका ,दुपट्टा व सम्मान राशि के साथ साहित्य सारथी सम्मान से सम्मानित किया गया। आयोजन में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त वंदनाश्री व टीम द्वारा भव्यातिभव्य रास महोत्सव, भगवान श्रीराम कृष्ण लीला का मनमोहन चित्रण किया गया। इस अवसर पर अतिथियों सहित संस्था अध्यक्ष दीपक मित्तल सहित मथुरा वृंदावन भारतवर्ष के कविवरों श्याम प्रेमियों की उपस्थिति रही। अमित के सम्मानित होने पर नगर के साहित्यकारों, शुभचिंतकों पत्रकारों ने अपनी शुभकामनाएं दी है।